मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKC–106

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत
(बी. ए. एस. के. एच.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2025
बी.एस.के.सी.-106 : काव्यशास्त्र और साहित्यिक आलोचना

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(ii) प्रत्येक प्रश्न के अंक उनके सामने अंकित हैं।

---

1. भरत के रससूत्र का विशद विवेचन कीजिए। 20

अथवा

काव्य के उद्‌भव और विकास को समझाइए।

2. मम्मट के अनुसार अभिधा शब्द-शक्ति का विवेचन कीजिए। 20

अथवा

नाटक का लक्षण लिखकर उसके प्रकारों को बताइए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

3. गद्य काव्यों का विवेचन कीजिए। 10

अथवा

मम्मट के काव्य-प्रयोजन का विवेचन कीजिए।

4. उत्पत्तिवाद का विवेचन कीजिए। 10

अथवा

रस की अलौकिकता पर एक निबन्ध लिखिए।

5. भ्रान्तिमान **अथवा** अपह्नुति का लक्षण बताते हुए उदाहरण से स्पष्ट कीजिए। 10

6. निम्नलिखित श्लोक में से कौन-सा अलंकार है ? लक्षण को बताते हुए स्पष्ट कजिए : 10

अनङ्गरङ्गप्रतिमं तदङ्ग भङ्गीभिरङ्गीकृतमानताङ्ग्याः।

कुर्वन्ति यूनां सहसा यथैताः स्वन्तानि शान्तापरचिन्तनानि॥

अथवा

कपाले मार्जारः पय इति करान् लेढि शशिनः

तरुच्छिद्रप्रोतान् विसमिति करी सङ्कलयति।

रतान्ते तल्पस्थान हरित वनिताऽत्यंशुकमिति

प्रभामत्तश्चन्द्रो जगदिदमहो विप्लवयति॥

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

7. इन्द्रवज्रा **अथवा** शिखरिणी छन्द का लक्षण देते हुए उसके उदाहरण श्लोक को लिखकर उसका स्पष्टीकरण लिखिए। 10

8. निम्नलिखित श्लोक में कौन-सा छन्द है ? उसका लक्षण बताते हुए स्पष्टीकरण दीजिए : 10

आ परितोषाद्विदुषां न साधु मन्ये प्रयोग विज्ञानम्।
बलवदपि शिक्षितानामात्मन्यप्रत्ययं चेतः॥

अथवा

अभिमुखे मयि संहृतमीक्षित
हसित मन्यनिमित्तकृतोदयम्।
विनयवारित वृत्तिरतस्तया
न विवृतो मदनो न च संवृतः॥

× × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com